ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

मैं अपने हाइएस्ट पोजीशन में स्थित रहकर हर संकल्प, बोल और कर्म करने वाली सम्पूर्ण निर्विकारी आत्मा हूँ

MADHUBAN

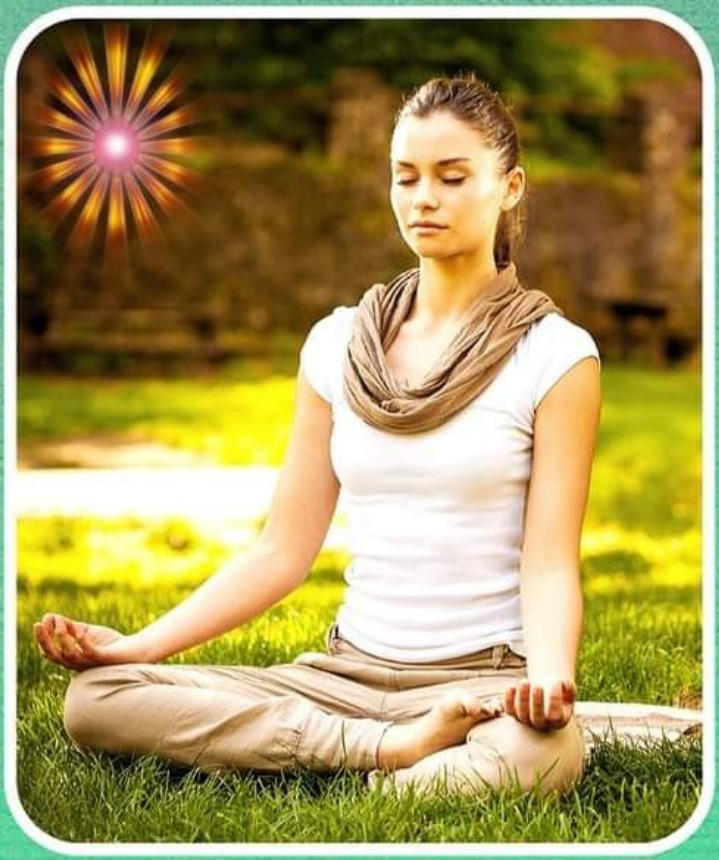

समर्थ बोल की निशानी है - जिस बोल में आत्मिक भाव और शुभ भावना हो।

Sakar Murli - 10-01-2005 (Revised)

facebook.com/AvyaktMurliEssence

परमपिता परमात्मा शिव

अव्यक्त शिक्षाएँ

जो सदा शुभ चिन्तन में रहता है वह स्वतः ही शुभचिन्तक बन जाता है। शुभ चिन्तन का आधार है शुभ चिन्तक बनने का। पहला कदम है स्वचिन्तन। स्वचिन्तन अर्थात् जो बापदादा ने "मैं कौन" की पहेली बताई है उसको सदा स्मृति स्वरूप में रखना। जैसे बाप और दादा जो है, जैसा है- वैसा उसको जानना ही यथार्थ जानना है और दोनों को जानना ही जानना है। ऐसे स्व को भी- जो हूँ, जैसा हूँ अर्थात् जो आदि-अनादि श्रेष्ठ स्वरूप हूँ, उस रूप से अपने आपको जानना और उसी स्वचिन्तन में रहना इसको कहा जाता है- 'स्वचिन्तन'।

अ.बापदादा-14.01.85

रूहानियत अर्थात् ...

बापदादा- 15.12.2001

रूहानियत नयनों से प्रत्यक्ष होती है। रूहानियत की शक्ति वाली आत्मा सदा नयनों से औरों को भी रूहानी शक्ति देती है। रूहानी मुस्कान औरों को भी खुशी की अनुभूति कराती है। उनकी चलन, चेहरा फरिश्तों के समान डबल लाइट दिखाई देता है। ऐसी रूहानियत का आधार है पवित्रता। जितनी-जितनी मन-वाणी-कर्म में पवित्रता होगी उतना ही रूहानियत दिखाई देगी। पवित्रता ब्राह्मण जीवन का श्रृंगार है। पवित्रता ब्राह्मण जीवन की मर्यादा है। तो बापदादा हर बच्चे की पवित्रता के आधार पर रूहानियत को देख रहे हैं। रूहानी आत्मा इस लोक में रहते हुए भी अलौकिक फरिश्ता दिखाई देगी।

रूहानी संकल्प अपने में भी शक्ति भरने वाले हैं और दूसरों को भी शक्ति देते हैं। जिसको दूसरे शब्दों में कहते हो रूहानी संकल्प मनसा सेवा के निमित्त बनते हैं। रूहानी बोल स्वयं को और दूसरे को सुख का अनुभव कराते हैं। शान्ति का अनुभव कराते हैं। एक रूहानी बोल अन्य आत्माओं के जीवन में आगे बढ़ने का आधार बन जाता है। रूहानी बोल बोलने वाला वरदानी आत्मा बन जाता है। रूहानी कर्म सहज स्वयं को भी कर्मयोगी स्थिति का अनुभव कराते हैं और दूसरों को भी कर्मयोगी बनाने के सैम्पुल बन जाते हैं। जो भी उनके सम्पर्क में आते हैं वह सहजयोगी, कर्मयोगी जीवन का अनुभवी बन जाते हैं।

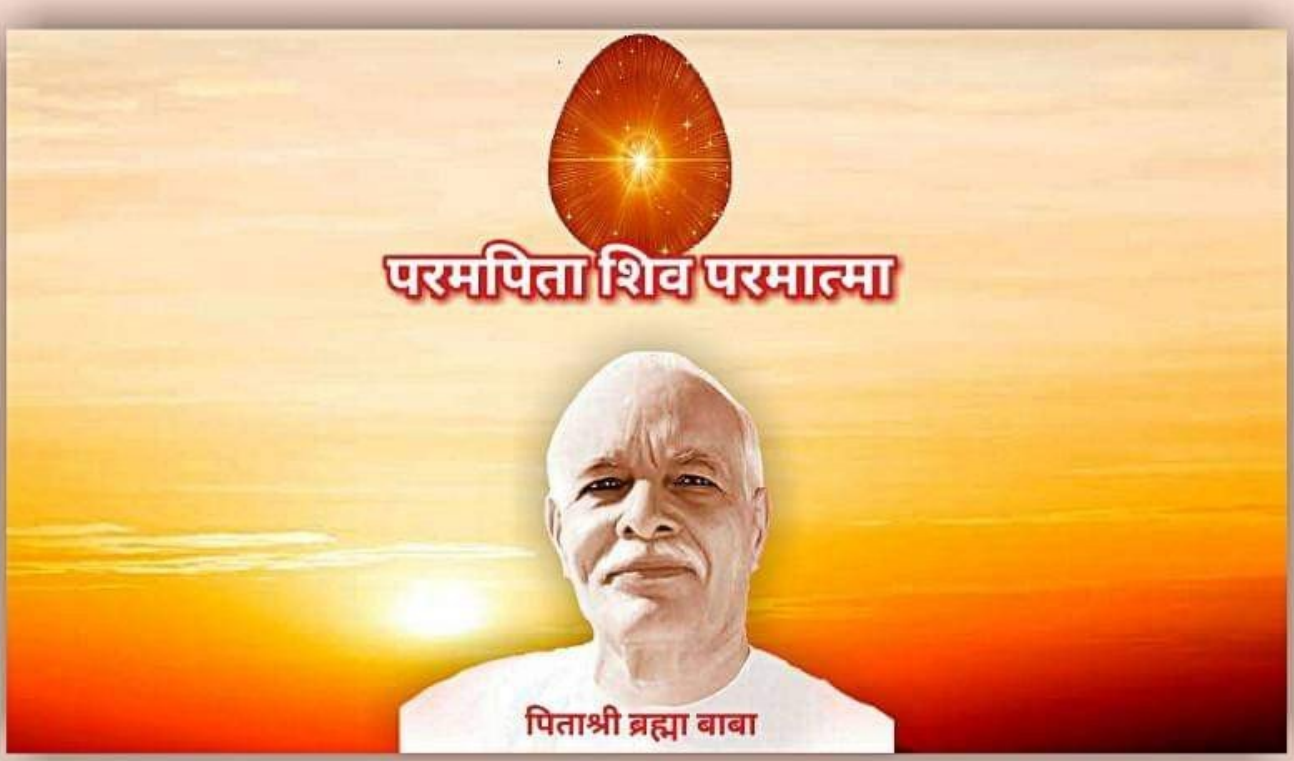

OM SHANTI

सबसे बड़ी बीमारी है चिंता,
इसकी दवाई डाक्टर्स के पास भी नहीं है
चिंता वाले जितना ही
प्राप्ति के पीछे दौड़ते हैं
उतना प्राप्ति आगे दौड़ लगाती है
इसलिए निश्चय के पांव सदा अचल रहें
"सदा एक बल एक भरोसा"
यह पांव अचल है तो विजय निश्चित है
निश्चित विजयी सदा ही निश्चितं हैं

Join Brahma Kumaris

श्रेष्ठ प्रेरणा

परमात्मा कहते हैं... तुम सब कुछ मुझे सौंप दो... सारा दर्द, परेशानी और बिल्कुल हल्के होकर मुझे याद करो... धीरे-धीरे तुम्हारा जीवन खुशियों में बदल जाएगा...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

जब कोई काम हम भगवान की याद में रहकर करते है तो उस काम को पूरा करने की जिम्मेदारी भगवान की हो जाती है।

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org